बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय,

अलवर (राज.)

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग

द्वारा आयोजित

राष्ट्रीय वेबीनार

हिन्दी साहित्य एवं गाँधी दर्शन

दिनांक **20**, मार्च, **2021** शनिवार

For Registration Click Here

For Zoom Meeting Link

:: शुभारम्भ सत्र प्रातः **11:00** बजे ::

मुख्य वक्ता

वरिष्ठ पत्रकार प्रियदर्शन(NDTV)

समाज और साहित्य में गाँधी को देखने की दृष्टि

:: द्वितीय सत्र प्रातः **12:15** बजे ::

विशिष्ट वक्ता

डॉ. जीवन सिंह मानवी

गाँधी दर्शन एवं हिन्दी साहित्य

आयोजक समिति

डॉ. विनय मिश्र	डॉ. अरुण बाला
डॉ. जयशंकर शाही	डॉ. रूपा सिंह
डॉ. अंशु वाजपेयी	श्री सियाराम मीणा
श्री सत्यवान आर्य	श्री गोविन्द सिंह मीणा

प्राचार्य एवं संरक्षक	विभाग प्रभारी	संयोजक एवं आयोजन सचिव
डॉ. रेखा शर्मा	डॉ. नन्द किशोर मौर्य	डॉ. मीना गौतम

राष्ट्रीय वेबीनार

हिन्दी साहित्य एवं गाँधी दर्शन

महात्मा गांधी बीसवीं शताब्दी के सर्वाधिक चर्चित और प्रभावशाली व्यक्तित्व रहे हैं। भारतीय मेधा ही नहीं सम्पूर्ण वैश्विक परिदृश्य पर गांधी जी के जीवन और दर्शन ने गहरी अमिट छाप छोड़ी है, प्रभावित ही नहीं वरन् प्रेरित किया है यही कारण है कि उनके अभी पिछले वर्ष ही उनकी 150 वीं जन्मदिवस पर पूरे विश्व में गांधी चिन्तन और उनके दर्शन की आवश्यकता प्रासंगिकता को पूरी शिद्दत के साथ महसूस किया गया। वर्तमान विश्व आज फिर से एक बार गांधी के दर्शन और सिद्धांतों में मानव जीवन के भविष्य को देख रहा है। इसी कड़ी में बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय, अलवर का हिन्दी विभाग एक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन करने जा रहा है 'हिन्दी साहित्य और गांधी दर्शन' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार हिन्दी साहित्य के विभिन्न पक्षों पर गांधी दर्शन के प्रभाव और परिणाम को परिलक्षित करेगी।

महात्मा गांधी को हिन्दी के प्रति विशेष लगाव था और वे हिन्दी भाषा माध्यम से समस्त भारतीयों को एक सूत्र में बांधना चाहते थे। भारतीय समन्वयवादी संस्कृति की पूंजी माने जाने वाला ग्रन्थ रामचरितमानस को वे अपना आदर्श ग्रन्थ मानते थे, रामचरितमानस में व्यक्त सत्य, अहिंसा, प्रेम, सदभाव, शांति, मानवतावादी जैसे मूल्यों को समाज में प्रतिष्ठित करने के लिये ही वे जीवनपर्यंत नित नये प्रयोग करते रहे और आगे चलकर उनके यही सिद्धांत और जीवनशैली गांधी दर्शन के रूप में सामने आई। भारत ही नहीं विश्व की लगभग सभी भाषाओं के साहित्य पर गांधी के मानवतावादी वैचारिक चिंतन का असर हुआ है। विशेषत: हिन्दी साहित्य और साहित्यकार गांधी दर्शन से सर्वाधिक प्रभावित हुए है इस वेबीनार में 'हिन्दी साहित्य और गांधी दर्शन' से जुड़े विविध पहलुओं पर चिंतन किया जाएगा, ऐसा हमारा प्रयास रहेगा।

कार्यक्रम रूपरेखा

उद्घाटन सत्र

प्रात: **11.00** बजे : प्राचार्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण
प्रात: **11.10** बजे : प्राचार्य द्वारा संबोधन
प्रात: **11.20** बजे : विषय प्रवर्तन

प्रथम सत्र

प्रात: **11.25** बजे : डॉ. रूपा सिंह द्वारा वरिष्ठ पत्रकार प्रियदर्शन का परिचय
प्रात: **11.30** बजे : वरिष्ठ पत्रकार प्रियदर्शन का वक्तव्य
दोपहर **12.10** बजे : डॉ. जयशंकर शाही द्वारा प्रतिभागियों को प्रश्नोत्तर के लिये आमंत्रण

द्वितीय सत्र

दोपहर **12.20** बजे : डॉ. अंशु वाजपेयी द्वारा डॉ. जीवन सिंह मानवी का स्वागत् और परिचय
दोपहर **12.30** बजे : डॉ. जीवन सिंह मानवी का उद्बोधन
दोपहर **01.15** बजे : डॉ. जीवन सिंह मानवी का धन्यवाद और प्रतिभागियों के प्रश्नोत्तर संचालन श्री गोविन्द सिंह मीणा
दोपहर **01.30** बजे : डॉ. अरुण सिंह द्वारा धन्यवाद
दोपहर **01.35** बजे : डॉ. मीना गौतम द्वारा धन्यवाद
कार्यक्रम रिपोर्टिंग : डॉ. अरुण बाला

सम्पर्क सूत्र : डॉ. विनय कुमार मिश्र **9414810083** डॉ. मीना गौतम **9057588472**